माहेश्वरी युवाओं की आशा-आकांक्षाओं एवं कार्यकर्ताओं की धरोहर संस्था

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

उद्गम-अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की एक सशक्त भुजा के रूप में युवा संगठन का उद्गम सन् १९७२ में कलकत्ता अधिवेशन के समय हुआ। इसे प्रथम सत्र का दर्जा दिया गया। जिसके अध्यक्ष श्री बंसत कुमारजी बांगड (दिल्ली) व महामंत्री श्री रामकृष्णजी बजाज (जयपुर) चुने गये। तब से लेकर यह दशम् सत्र चल रहा हैं। इस संगठन का नाम संस्था के रूप में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन रखा गया, जो माहेश्वरी महासभा की एक ईकाई के रूप में, उसी के अन्तर्गत कार्यरत है। इस संगठन का कार्यक्षेत्र संपूर्ण भारतवर्षीय व अन्य क्षेत्र रखे गये, जहां माहेश्वरी परिवार निवास करते हैं।

संगठन के सिद्धान्त व उद्देश्य-संगठन के लिए सहयोग, सेवा, संकल्प, संस्कृति, संयम, समर्पण, सादगी, अनुशासन व सुधार मुख्य सिद्धान्त निर्धारित किये गये। इन सिद्धान्तों का माहेश्वरी युवक/युवतियों में प्रचार-प्रसार करके पालन कराना व समस्त भारतवासियों की प्रगति के व्यापक दृष्टिकोण के साथ माहेश्वरी समाज की समयानुकूल सर्वांगीण उन्नति कराना, जिससे माहेश्वरी समाज राष्ट्र का एक प्रगतिशील घटक बना रहे इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु शिक्षा-प्रसार, आर्थिक उन्नति, सामाजिक जागृति व अध्यात्मिक तथा शारीरिक उत्थान आदि का प्रयत्न व प्रसार करना। इस संदर्भ में बेरोजगार युवाओं का मार्गदर्शन, उचित रोजगार का प्रयास विभिन्न तरह के प्रशिक्षण केन्द्र, सांस्कृतिक व रचनात्मक आयोजन, विचार गोष्ठियाँ, औद्योगिक भ्रमण, सामूहिक विवाह, रक्तदान शिविर व विभिन्न तरह के सहायता-सहयोग व समाज सुधार के कार्य करना।

प्रथम सत्र-जैसा कि ऊपर वर्णित किया जा चुका है सन् १९७२ में महासभा के कलकत्ता अधिवेशन में संगठन की स्थापना व प्रथम सत्र शुरू हुआ। इस सत्र में आगरा व रांची में युवा सम्मेलन बुलाए गए। कार्यसमिति की बैठकें संपन्न हुई। प्रमुख कार्य रूप में औद्योगिक भ्रमण का व्यापक आयोजन किया गया। जिससे अनुभव प्राप्त करके अनेक युवाओं ने लघु उद्योंगों की स्थापना की। आर्थिक विकास व कुरीतियों के उन्मूलन हेतु विशेष कार्यक्रम किये गये।

द्वितीय सत्र-सन् १९७६ में नागपुर अधिवेशन से द्वितीय सत्र आरम्भ हुआ। जिसमें अध्यक्ष श्री नरेन्द्रजी कलंत्री (लखन) व महामंत्री श्री अरविंदजी बियाणी (दिल्ली) चुने गये। दिल्ली, ग्वालियर में बैठकें सम्पन्न हुई। आपसी सामंजस्य के अभाव में आशातीत प्रगति नहीं हो पाई। अतः महासभा की जलगांव बैठक में नये पदाधिकारियों को मनोनीत करने का निश्चय किया गया। तदोपंरात पूना बैठक में श्री चन्द्रमोहनजी नागोरी (ग्वालियर) अध्यक्ष एवं महामंत्री श्री पुरूषोत्तमजी लड्ढा (कानपुर), शेष सत्र हेतु मनोनीत किये गये। तदर्थ समिति ने संगठन को मजबूत करने का सार्थक एवं सफल प्रयास किया, जिससे सम्पूर्ण भारतवर्ष के माहेश्वरी युवाओं में सामाजिक कार्य के प्रति नई उमंग-चेतना जागृत हुई।

तृतीय सत्र-सन् १९८२ में अलीगढ़ बैठक में श्री चंद्रमोहनजी नागोरी-ग्वालियर अध्यक्ष, श्री पुरूषोत्तमजी लड्ढा-कानपुर, महामंत्री व श्री श्यामसुन्दर जी सोनी-नागपुर, कोषाध्यक्ष निर्वाचित किये गये। इस सत्र में अलीगढ़, जयपुर, अमरावती, कलकत्ता, भोपाल, पुणे, पंचमढ़ी, नागपुर में बैठकों का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय स्तर पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। संगठन द्वारा अगस्त ८२ मे आयोजित जयपुर बैठक में विधान का निर्माण किया गया। २९ अगस्त ८२, में तपोधन श्री कृष्णदास जी जाजू के जन्म शताब्दी के अवसर पर संगठन के आह्वान पर हजारों युवाओं ने रक्तदान दिया। इसी सत्र में हम सुधरेंगे-जग सधुरेगा की भावना के अन्तर्गत संगठन का सद्व्यवहार अभियान प्रारंभ हुआ। मई ८३ से युवा माहेश्वरी मासिक पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ हुआ। मई ८४ में उद्योगरत्न आ. श्री घनश्याम दासजी बिड़ला के जन्म दिवस राम-नवमी पर आत्मनिर्भरता दिवस मनाया गया, जिसके तहत स्थानीय संगठनों का निर्माण किया गया। लगभग ३०० से अधिक युवा संगठनों का सीधा और प्रभावी संपर्क केन्द्रिय संगठन से बना।

चतुर्थ सत्र-दिसंबर १९८५ में इन्दौर बैठक में नये पदाधिकारियों का निर्वाचन हुआ। सर्व श्री श्यामसुंदर जी सोनी-नागपुर (अध्यक्ष), श्री किशनजी अजमेरा-जयपुर (महामंत्री) एवं पुरूषोत्तम जी सिंगी-बम्बई (कोषाध्यक्ष) निर्वाचित/मनोनीत किये गए। नए विधानानुसार कार्यकारी मण्डल व कार्यसमिति का गठन किया गया। इस सत्र में इन्दौर, जालना, ग्वालियर, हैदराबाद, आगरा, कलकत्ता, श्रीनगर, कानपुर में बैठकें आयोजित की गई। उल्लेखनीय कार्यों के रूप में समाज की विधवा बहनों के पुर्नविवाह हेतु वातावरण का निर्माण किया गया। संगठन के १० अविवाहित सदस्यों द्वारा विधवा युवतियों से आर्दश विवाह किये गए। विवाह योग्य युवक/युवतियों के परिचय सम्मेलन अनेक स्थानों पर सफलता पूर्वक आयोजित किए गये। भूतपूर्व महामंत्री श्री पुरूषोत्तमजी लड्ढा के संपादन में संगठन का मुख पत्र युवा माहेश्वरी का प्रकाशन प्रतिमाह निरंतर होता रहता है। एवं इसकी प्रसार संख्या ५०० से बढ़ाकर १००० की गई। इस सत्र में लगभग ५० नये स्थानीय संगठन एवं ६ प्रादेशिक संगठन और सैकड़ों सहयोगी सदस्य बनाए गए।

पंचम सत्र-पंचम सत्र हेतु १९८९ में तिरूपति बैठक में सर्व श्री रमेशजी मरदा, अध्यक्ष (मुंबई) श्री राजनजी झंवर-महामंत्री (फरूखाबाद), श्री मधुसुदन जी सारड़ा-कोषाध्यक्ष (नागपुर) निर्वाचित/मनोनीत किये गये। संपर्क

बढाओं-संगठन बनाओ के प्रेरणा स्त्रोत के साथ कार्य शुरू किया गया। जिसके तहत पत्राचार व भ्रमण पर विशेष जोर दिया गया। अध्यक्षीय कार्यालय से करीब ग्याहर हजार व महामंत्री कार्यालय से १८००० पत्र प्रेषित किये गये। समय-समय पर व्यापक रूप में परिपत्र भी भेजे गये। अध्यक्ष श्री मरदाजी द्वारा ८३ स्थानों का भ्रमण किया गया एवं महामंत्री व अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने अंचल में अच्छे रूप से भ्रमण किया। युवा माहेश्वरी संदेश पत्रिका का विधिवत पंजीयन श्री मदनगोपालजी तापड़िया के प्रयासों से संपन्न हुआ। इसकी प्रसार संख्या १२०० के करीब की गई। प्रादेशिक संगठनों के मॉडल विधान का निर्माण किया गया। अखिल भारतीय स्तर पर अत्यंत सफल रूप में निबंध प्रतियोगिता-सामाजिक ज्ञान-प्रतियोगताएं संपन्न की गई। आचार संहिता व सद्व्यवहार अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार व पालन हेतु वातावरण बनाने का प्रयास किया गया। अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम खेलकूद प्रतियोगिताएं जनवरी ९१ में मद्रास शहर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इसमें १७ प्रदेशों के सैकड़ो युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया। २ अक्टूबर १९९१ को संपूर्ण भारतवर्ष में स्थानीय संगठनों द्वारा उद्देश्य पूर्ण रूप में एक ही दिन में अनेक स्थानों पर कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये। दिसम्बर ९१ में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम बार साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का हैदराबाद में व्यापक रूप से आयोजन किया गया। जिसमें करीब २२५ कलाकारों अभिभावकों ने भाग लिया। अनेक स्थानों पर समय-समय पर कार्यकर्त्ता विचार-विनिमय शिविर लगाये गये। दिसम्बर ९३ में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम बार बैंगलोर में क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पूरे भारतवर्ष में प्रादेशिक स्तर पर यह प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं। इस प्रतियोगिता के सम्पन्न होने के साथ ही साहित्यिक सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन भी किया गया। इस आयोजन में पूरे भारतवर्ष सहित नेपाल से करीब ५०० खिलाड़ियों व कलाकारों ने भाग लिया। इस सत्र में कार्यकारी मंडल की चार कार्यसमिति की कुल आठ बैठकें सम्पन्न हुई। इस सत्र में खेलकूद व सांस्कृतिक समितियों का प्रथम बार राष्ट्रीय स्वरूप के साथ निर्माण किया गया। इनके प्रथम संयोजक श्री चंद्रप्रकाशजी मालपानी (मद्रास), श्री तरूण कुमारजी झंवर ''तरूण'' (हैदराबाद) मनोनीत किये गये। दोनों ही संयोजको ने विभिन्न कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित किया।

षष्टम सत्र-१९९४ में जैसलमेर महाधिवेशन के अवसर पर पुनः सर्वानुमति से सर्वश्री रमेशजी मरदा (मुम्बई) अध्यक्ष व राजनजी झंवर (फरूर्खाबाद) महामंत्री एवं गोविन्दजी सारडा (नागपुर) कोषाध्यक्ष निर्वाचित/मनोनीत किये गये। अपरिहार्य कारणों से महामंत्री श्री राजनजी झंवर व अर्थमंत्री श्री गोविन्द जी सारडा के त्याग पत्र देने के कारण संगठन की विराटनगर बैठक (अप्रैल ९५) में श्री अनिलजी मानधनी-गोरखपुर, महामंत्री व संगठन की अक्टूबर ९५ में सम्पन्न प्रयाग बैठक में श्री गोवर्धन जी करनानी-कानपुर अर्थमंत्री चयनित किये गये। इस सत्र में ''आचार विचार सुधारेंगे-समाज को संवारेंगे'' के प्रेरणा स्त्रोत के साथ कार्य किया गया। पत्राचार व भ्रमण कार्यक्रमों पर विशेष जोर दिया गया। अध्यक्षीय कार्यालय से करीब ६५०० (छः हजार पांच सौ) व महामंत्री कार्यालय से करीब ९००० (नौ हजार) पत्र प्रेषित किये गये। अध्यक्ष श्री रमेश जी मर्दा ने इस सत्र में करीब ५५ स्थानों का भ्रमण किया। युवा माहेश्वरी संदेश के प्रमुख संपादक श्री मदनगोपाल जी तापड़िया (कानपुर) की देखरेख में पत्रिका का नियमित रूप से प्रतिमाह प्रकाशन होता रहा। पत्रिका हेतु १० वर्षीय आजीवन सदस्य रूपये ५००/- प्रति सदस्य के हिसाब से बनाने का निश्चय किया गया। युवा माहेश्वरी संदेश में अध्यक्षीय कॉलम का नवीन प्रयोग किया गया। इस कालम के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मरदाजी ने २१ (इक्कीस) अध्यक्षीय कॉलम लिखे। जिनमें विभिन्न सामाजिक बातों पर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिये गये हैं। १७ दिसम्बर ९५ को सामाजिक समन्वय समिति के अंतर्गत महिला संगठन के साथ व्यापक रूप से सम्पूर्ण भारतवर्ष में चिंतन दिवस का आयोजन विषय ''बढ़ते अन्तर्जातीय विवाह कारण व निवारण'' एवं ''विभिन्न आयोजनों में बढ़ता दिखावा, प्रदर्शन व अपव्यय'' पर किया गया। अखिल भारतीय स्तर पर सफलतापूर्वक लिखित निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में करीब २०० (दो सौ) से अधिक समाज बंधुओं/बहनों ने हिस्सा लिया। विभिन्न सामाजिक संदर्भो को ध्यान में रखते हुए मनासा (पश्चिम म.प्र.) गुलबर्गा (कर्नाटक), नोखा (राजस्थान), मुम्बई में विस्तृत रूप से युवा सम्मेलनों के आयोजन किये गये। युवकों की वैचारिक मानसिकता, संगठन व सामाजिक कार्यो से जुड़ें इस बात को ध्यान में रखते हुए विभिन्न तरह के कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर किये गये। सांस्कृतिक समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री तरूण कुमार जी झंवर, ''तरूण'' (युवा संगठन) व श्रीमती लीलाजी सारडा (महिला संगठन) के संयुक्त प्रयासों से २६, २७, २८ जुलाई ९६ को ''आपणो उत्सव-९६'' के नाम से युवा संगठन एवं महिला संगठन के संयुक्त तत्वाधान में अत्यंत व्यापक रूप से साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में संम्पूर्ण भारतवर्ष सहित नेपाल के भी कलाकारों ने भाग लिया। इस आयोजन में करीब १५० (एक सौ पचास) प्रतियोगी व ५०० अन्य आगंतुक अभिभावक, कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। संगठन की नोखा बैठक (जनवरी ९७) में लिये गये निर्णय अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर काव्य प्रतियोगिता विषय-'' टी.वी. का बुखार-कहाँ ठहरेंगे संस्कार'' का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से सैकड़ों प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। श्री गंगानगर में एस.डी. बिहाणी महाविद्यालय में असामाजिक तत्वों द्वारा कि गई तोड़फोड़ के विरुद्ध में संगठन पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश व केन्द्रीय सरकार से विरोध स्वरूप व्यापक पत्राचार किया गया। जिससे अपराधियों की गिरफ्तारी व क्षतिपूर्ति हेतु मुआवजे की धनराशि आवंटित हुई। संगठन कार्यालय द्वारा पोकरा माहेश्वरी एकीकरण की दिशा में सार्थक प्रयास किये गये। जिसमें पोकरा-माहेश्वरी

एकीकरण के प्रयासों को सफलता प्राप्त हुई। महासभा द्वारा एकीकरण को मान्यता दी गई व पोकरा-माहेश्वरी विवाह संबंध में सम्पन्न हुआ।

कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने हेतु प्रथम बार राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों की घोषणा की गई। सत्र की अन्तिम बैठक हैदराबाद (जुलाई ९७) में पुरस्कृत करते हुए सम्मानित किया गया। दिल्ली, कोलकाता व पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रथम बार प्रादेशिक संगठनों का गठन किया गया।

इस सत्र के अन्त में अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में कलकत्ता में आयोजित युवा अधिवेशन का आयोजन दिनांक २६ से २८ दिसम्बर को कलकत्ता के बिन्नानी भवन में विभिन्न आयोजनों के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर आयोजित युवा महाधिवेशन में सम्पूर्ण भारतवर्ष एवं नेपाल व बांग्लादेश से लगभग १२०० प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रमों में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश जी मरदा द्वारा नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री रमेश जी तापड़िया को सप्तम सत्र हेतु अध्यक्ष का पदभार सौंपा गया। इस अवसर पर श्री मरदा जी द्वारा अपने कार्यकाल की उपलब्धियों की चर्चा की एवं कहा कि जितना संभव था उतना कार्य किया, जो कार्य हम नहीं कर सके उनका सम्पादन नया नेतश्त्व करेगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रमेशजी तापड़िया ने अपने प्रति संगठन के सदस्यों द्वारा दिये गये विश्वास स्नेह सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया एवं विश्वास दिलाया कि सदस्यों की आशा के अनुरूप विश्वास पर खरा उतरेंगे। सप्तम् सत्र की प्रथम कार्यकारी मण्डल बैठक में विधान संशोधन, युवा माहेश्वरी संदेश, आदि तमाम विषयों पर चर्चा हुई। इस दिन एक सामाजिक विषय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें श्री गौरीशंकर जी सारडा द्वारा माहेश्वारी वंश उत्पत्ति के संबंध में किये गये शोध पर आधारित तमाम प्रामाणिक जानकारी दी गई। इसमें मुख्य रूप से तथ्यों से संबंधित अनेक प्राचीन जागाओं की बहियों पांडुलिपि समेत प्रस्तुत की गई।

सप्तम सत्र-२६ दिसम्बर ११९७ को कलकत्ता में हुए युवा महाधिवेशन में श्री रमेशजी तापड़िया (काठमांडु) को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का पदभार सौंपा गया। तत्पश्चात् इचलकरंजी में ६, ७ मार्च को आयोजित महासभा के कार्यकारी मण्डल अधिवेशन के अवसर पर युवा संगठन के सप्त्म् सत्र के पदाधिकारियों का चयन किया गया। अध्यक्ष श्री रमेशजी तापड़िया, काठमांडू की अनुसंशा के आधार पर उपाध्यक्ष श्री बसंतकुमार जी मोहता-हावड़ा, श्री प्रदीप जी बाहेती-जयपुर, श्री अनिल जी मानधनी-गोरखपुर एवं अजय जी मंत्री मुंबई, महामंत्री श्री तरूण कुमार झंवर "तरूण" हैदराबाद, अर्थमंत्री विष्णु कुमार जी भुराडिया-कानपुर, संयुक्त मंत्री श्री सम्पत जी मानधना-कोलकाता, श्री शरद जी काबरा-जबलपुर, श्री राजीव जी चांडक-सहारनपुर एवं प्रदीप जी धूत, लातूर। राष्ट्रीय सांस्कशतिक समिति संयोजक श्री अशोक जी ईनानी-इंदौर, खेलकूद संयोजक डॉ. रवि जी राठी रायपुर, संगठन संयोजक श्री रामगोपालजी भट्टड़-नोखा चयनित किये गये।

युवा महाधिवेशन ९७-राष्ट्रीय स्तर पर संगठन ने गौरव एवं गरिमा के अनुरूप कार्य करते हुए २६, २७ एवं २८ दिसम्बर ९७ को कोलकता में कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में रजत जयंती के अवसर पर संगठन ने एक नया इतिहास लिखते हुए प्रथम बार युवा महाधिवेशन आयोजित किया, जो एक आमिट छाप छोड़ गया। इस त्रिदिवसीय महाधिवेशन में सम्पूर्ण भारतवर्ष सहित पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से लगभग एक हजार युवाओं नें अपनी उत्साह जनक उपस्थिति दर्ज करवाई।

युवा महाधिवेशन के अवसर पर देश-भक्ति पर आधारित सांस्कशतिक समागम जहाँ मानस पटल पर जम गया, वहीं कलकत्ते में निकली भव्य शोभा यात्रा की गूंज सारे भारत वर्ष में आज भी कायम है। यही नहीं महाधिवेशन में जो चितंन विभिन्न अवसरों पर हुआ, उसका प्रतिसाद भी प्रभावी रूप में मिला, अवसर था व्यवसायिक परिचर्चा का, चिन्तन का, व्यक्तित्व विकास का, कार्यकर्ता प्रशिक्षण का साहित्यिक-सांस्कृतिक एवं प्रतिभा सम्मान का।

चिन्तन दिवस ९८-संगठन द्वारा २ अक्टूबर को चिन्तन दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया, उसी कड़ी में २ अक्टूबर को "बदलते सामाजिक परिवेश में युवाओं की भूमिका" विषय पर राष्ट्र व्यापी चिन्तन दिवस का आयोजन स्थानीय जिला एवं प्रादेशिक स्तर पर किया गया, जो लगभग १२१ स्थानों पर सम्पन्न हुआ। चिन्तन दिवस पर समाज के प्रबुद्ध जनों ने अपने-अपने विचार रखे एवं ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। लगभग सभी स्थानों पर उपस्थित अग्रजों सहित समाज बन्धुओं ने ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया।

गौरव उत्सव ९८-संगठन की क्रीड़ा समिति के माध्यम से रायपुर में अ.भा. माहेश्वरी क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका आतिथ्य किया श्री माहेश्वरी युवा मंडल-रायपुर ने जिसका यह रजत जयंती वर्ष था। देशभर के युवा खिलाड़ी एकत्र हुए। २५, २६ एवं २७ दिसंबर १९९८ को रायपुर में जहाँ कुल ९ टीमों के मध्य हुआ घमासान। विजेता का खिताब मिला कर्नाटक प्रदेश की टीम को, वहीं उपविजेता बनी रायपुर की टीम। इस प्रतियोगिता के माध्यम से काफी संख्या में नए एवं उत्साही युवा साथियों का संगठन की मुख्य धारा से जुड़ाव हुआ। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर प्रतियोगिता का आयोजन किया था। जिसमें संगठन निश्चित रूप से सफल रहा।

बैनर प्रतियोगिता-संगठन ने तम्बाकू, पान-पराग एवं अन्य नशीले व्यसनों के सेवन के प्रति सचेत करने के उद्देश्य से गुटखा खाने वालों का हाल, ''पहले शौक फिर जी का जंजाल'' शीर्षक पर राष्ट्रीय नशा विरोधी बैनर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें लगभग सभी प्रदेशों द्वारा बहुत ही अच्छे एवं प्रभावी बैनर तैयार कर प्रदर्शित किये गये। चेतना मूलक प्रतियोगिता का प्रभाव कुछ यूं हुआ कि कई युवा साथियों ने तत्काल ऐसे नशीले पदार्था का सेवन त्यागने का संकल्प लिया।

परिचय पुस्तिका-संगठन के इन २५ वर्षो में प्रथम बार सदस्यों की सचित्र परिचय पुस्तिका के प्रकाशन का निश्चय इचलकंरजी में प्रथम पदाधिकारियों की बैठक में किया गया, जिसका भार श्री प्रदीप जी बाहेती ने लेते हुए इसे जयपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के सहयोग से पूर्ण किया। इसमें संगठन के इतिहास सहित कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यकारी मंडल सदस्यों के अंचलश अलग-अलग प्रदेशों के साथ व महासभा एवं महिला संगठन के पदाधिकारियों के सचित्र परिचय प्रकाशित किये गये।

विधान संशोधन-अ.भा. माहेश्वारी युवा संगठन द्वारा गठित विधान संशोधन समिति द्वारा सदस्यों से विधान संबंधी सुझाव आमंत्रित किये गये, तत्पश्चात् समिति की बैठक में विस्तश्त चर्चा कर एक प्रारूप तैयार करके सभी सदस्यों को भेजा। रायपुर में २६ दिसंबर ९८ को सम्पन्न कार्यकारी मंडल की बैठक में प्रस्तुत कर पारित करवाया गया। जिसे विधान संशोधन समिति द्वारा लिपिबद्ध करके मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन के माध्यम से प्रिन्ट करवाकर सभी सदस्यों को भेजा गया।

स्वास्थ्य शिविर ९९-अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के आह्वान पर विश्वा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ६ अप्रैल ९९ को सम्पूर्ण देश में लगभग ६५ स्थानों पर स्थानीय, जिला एवं प्रादेशिक संगठनों के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गये। जहां समाज बंधुओं सहित अन्य समाज बन्धुओं ने भी लाभ लिया।

वश्हत उद्यमी मेला ९९-संगठन द्वारा दिल्ली बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार युवा उद्यमियों को नये अवसर एवं मार्केट उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से वश्हत युवा उद्यमी मेला २२, २३ एवं २४ मई को इन्दौर १९९९ में म.प्र. पश्मिांचल माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वाधान में आयोजित किये गये, जिसमें देशभर के ६५ माहेश्वरी युवा उद्यमियों ने अपने उत्पादों का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस मेले के उद्घाटनकर्ता श्री गोपालकश्ष्ण जी छापरवाल, मुंबई ने स्वजातीय युवा साथियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाले इस प्रकार के मेलों की आवश्यकता बताते हुए, सतत् आयोजित कराने का आह्वान किया।

आपणो उत्सव ९९-संगठन द्वारा सदी के अंतिम साहित्यिक और सांस्कश्तिक उत्सव को अद्भुत संवरे व निखरे रूप में १३, १४ एवं १५ अगस्त ९९ को जयपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में '' आपणो उत्सव ९९'' सम्पन्न हुआ, जिसकी गुंज भारत सहित नेपाल में भी हुई। जिसका कारण श्रेष्ठ प्रतियोगी एवं श्रेष्ठ व्यवस्था भी रही। तीन दिवसीय आपणो उत्सव में भाषण, गायन वाद्य यंत्र एवं एकल नश्त्य प्रतियोगिता हुई, जिसमें १४६ प्रतियोगियों ने अपनी कला का प्रस्तुतिकरण किया। इस अवसर पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भैरोसिंहजी शेखावत ने कहा की प्रतिभाओं को उभारने के लिये उन्हें उचित संरक्षण एवं सहयोग की आवश्यकता है, अतः इनके प्रोत्साहन एवं सहयोग के लिए ट्रस्ट बनाया जाये, जिसके लिये उन्होंने भी सहयोग का आश्वासन दिया, जिसे संगठन ने अपनी बैठकों में चर्चा कर स्वीकार किया जो अभी भी प्रक्रिया में है।

व्यक्तित्व विकास शिविर-२ अक्टूबर ९९ संगठन द्वारा युवा कार्यकर्ता के व्यक्तित्व की संरचना, बेहतर संचार उत्प्रेरणा, योजना प्रवर्तन तथा अनुशासन संबंधी विषयों को लक्ष्य करके प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की योजना तैयार की गई जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय एवं जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन हुए जिसमें उल्लेखनीय रूप से गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी युवा संगठन एवं कर्नाटक प्रान्तीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा प्रान्तीय स्तर पर क्रमशः अहमदाबाद एवं मंत्रालय (कर्नाटक) में आयोजित किये गये।

जनजागरण अभियान-जनजागरण अभियान समिति के माध्यम से प्रथम रूप में ''संयुक्त विवाह प्रणाली-क्या एवं कैसे'' के माध्यम से हमारे वैवाहिक आयोजनों में बढ़ती फिजूलखर्ची आडम्बर एवं प्रदर्शन से हमें मुक्ति दिला सकती हैं, यह बात समाज बन्धुओं के मध्य रखी जो एक वश्हद सर्वेक्षण एवं विचार मंथन के बाद बनाई गई, जिसके बाद परिणाम सुखद रहे एवं वरवधू परिवार एक ही जगह आकर समानता के सिद्धांत का पालन करते हुए, संयुक्त मेजबानी में विवाह आयोजन को उत्सव का रूप देकर गरिमा के साथ सम्पन्न करने लगे। समिति द्वारा भोजन झूठा नहीं छोड़ने के लिये सम्पूर्ण भारतवर्ष में एक वश्हत आभियान चलाकर संकल्प पत्र भरवाया गया, क्योंकि हर स्थिति में संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता और इसका शत्-प्रतिशत पालन होता है अतः समिति ने काफी बड़ी संख्या में संकल्प पत्र भरवाये।

हेपेटाईटिस शिविर-विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ६ अप्रैल २००० को स्थानीय जिला एवं प्रादेशिक स्तर संगठनों द्वारा हेपेटाईटिस बी टीकाकरण के शिविर आयोजित किये गये, जहाँ बड़ी संख्या में समाज बन्धुओं ने शिविरों में जाकर टीके लगवाये। संगठन द्वारा आह्वान किये जाने पर यह शिविर अब सतत् रूप से स्थान-स्थान पर आयोजित किये जा रहे हैं।

ज्ञानगंगा प्रतियोगिता-समाज के युवा एवं किशोर प्रतिभाओं की शैक्षणिक प्रतिभा को उजागर व प्रोत्साहित करने एवं उनमें सामान्य ज्ञान की अभिवशद्धि के उद्देश्य से स्व. बाबू जी श्री रामगोपाल जी माहेश्वरी की पुण्य स्मशति में १२ प्रदेशों में ज्ञानगंगा प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग १०००० प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। जहाँ प्रतियोगिता के पश्चात् अलग-अलग समूहों में विजेता घोषित किये गये, जिनकी राष्ट्रीय स्तर पर कलकत्ता में २२ दिसम्बर २००० को प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें सीनियर वर्ग, सब सीनियर वर्ग जूनियर वर्ग में ११ प्रतियोगी विजेता घोषित किये गये एवं उन्हें महाधिवेशन के समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया।

पर्यावरण दिवस-संगठन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर सम्पूर्ण राष्ट्र में स्थानीय संगठनों के माध्यम से पर्यावरण एवं प्रदूषण सम्बन्धी गोष्ठी, वशक्षारोपण या अन्य कोई पर्यावरण संबधी कार्यक्रम ५ जून २००० को आयोजित किये गये। इस अवसर पर ११७ स्थानों पर पर्यावरण सम्बन्धी गोष्ठी एवं वशक्षारोपण के आयोजन हुए जिसमें कई स्थानों पर सुप्रसिद्ध समाज सेवियों की स्मशति में वशक्षारोपण कर, उनकी सुरक्षा के उपाय किये गये।

चिन्तन दिवस-समाज सुधार व युवा वर्ग के आर्थिक उन्नयन की परिकल्पना को ध्यान में रखकर २ अक्टूबर २००० को सम्पूर्ण भारतवर्ष में चिन्तन दिवस का आयोजन किया गया। विषय था ''समाज में बढ़ता पारिवारिक विखण्डन-कारण व निवारण'' एवं ''युवा वर्ग में व्यवसाय उद्योग के प्रति घटती रूचि'' विषयों पर कई स्थानों पर समाज के प्रबुद्ध व विशिष्ट जनों के साथ खुला चिंतन व विचार विर्मश किया गया।

विवरण संकलन निर्देशिका-विवरण संकलन समिति के माध्यम से भारतवर्ष सहित नेपाल में स्थित माहेश्वरी समाज द्वारा स्थापित एवं संचालित भवनों, शिक्षण व धार्मिक संस्थानों एवं स्वास्थ्य उपचार संस्थानों की विस्तशत जानकारी सहित निर्देशिका प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया एवं इसका औपचारिक विमोचन युवा महाधिवेशन के दौरान किया गया। कई स्थानों की अपूर्ण जानकारी होने के कारण इसका प्रकाशन तात्कालिक समय के लिये स्थगित किया गया एवं जानकारी प्राप्त होने के पश्चात् इसका प्रकाशन कर, इसको समाज बन्धुओं एवं संगठनों को वितरित किया जायेगा।

युवा महाधिवेशन २०००-अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सत्र में द्वितीय युवा महाधिवेशन का आयोजन २३-२४ एवं २५ दिसम्बर २००० को हावड़ा में किया गया। युवा महाधिवेशन का आतिथ्य किया माहेश्वरी युवा मंच-हावड़ा ने। इस त्रिदिवसीय आधिवेशन में भारत वर्ष सहित नेपाल से लगभग ४०० प्रतिनिधियों ने अपनी हिस्सेदारी निभाई।

महाधिवेशन के उद्घाटन के अवसर पर संगठन की वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। वहीं अद्वितीय माहेश्वरी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया साथ ही संयुक्त विवाह प्रणाली के अन्तर्गत विवाहित आदर्श-माहेश्वरी दम्पत्ति का सम्मान किया गया। महाधिवेशन का आयोजन युवा वर्ग के सामाजिक, आर्थिक उन्नयन को ध्यान में रखकर ही किया गया था। तदनुरूप त्रिदिवसीय कार्यक्रमों में सामाजिक एवं व्यवसायिक सत्रों को प्रधानता दी गयी। इनके अलावा स्वास्थ्य संबंधी शिविर व सेवा मूलक कार्यक्रमों का यथा आयोजन किया गया। महाधिवेशन में उपस्थिति समाज के अग्रजों में त्रिदिवसीय आयोजन की मुक्त कण्ठ से सराहना की।

नेत्रदान संकल्प-''दर्द कहीं भी हो रोती है आंखे, शरीर की किस कदर हमदर्द है आंखे'' अपनी क्षमता से जो आर्जित किया उसे ही हम साथ नहीं ले जा सके तो ईश्वर प्रदत्त शरीर के अंगों के प्रति मोह कैसा, क्यों न हम ऐसा कुछ कर जायें कि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ हमें श्रद्धा से याद करें यह सोच, संगठन ने समाज बन्धुओं में जगाया और नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाये, जो अब तक लगभग १५०० के करीब हो गये हैं। प्रारम्भिक रूप से युवा महाधिवेशन के अवसर पर ७०० संकल्प पत्र बंगला फिल्म अभिनेता श्री तापस पाल को सौंपे।

गुजरात भूकम्प राहत कोष-संगठित प्रयास-अंतरिम आवास इस वर्ष २६ जनवरी को गुजरात में विशेष रूप से सौराष्ट्र क्षेत्र में आये विनाशकारी भूकम्प की विभिषीका से माहेश्वरी समाज भी अछूता नहीं रहा एवं भ्रमण के दौरान हासिल जानकारी के अनुसार लगभग ३०० से आधिक माहेश्वरी परिवार प्रभावित हुए। उन ३०० माहेश्वरी परिवारों में से भी चुने हुए अत्याधिक अभावग्रस्त ७० परिवारों को अंतरिम आवास प्रदान किये गये। राहत का यह कार्य महासभा/महिला संगठन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। मानवता से परिपूर्ण इस महत कार्य के नायक थे गुजरात प्रान्तीय अध्यक्ष श्री शरद गट्टानी जिनके नेतशत्व में प्रदेश के युवा साथियों के संयुक्त प्रयास से इस कार्य को अंजाम दिया गया। महाप्रलय की विभिषिका में तीनों संगठनों का यह संयुक्त प्रयास अविस्मरणीय रहेगा ऐसा विश्वास है।

आयोजित संगठन की कार्यसमिति बैठक के अवसर पर साथी कार्यकर्ताओं को उनके द्वारा किये गये कार्यो के प्रति सम्मानित किया गया। इनके सम्मान के प्रति भाव यही रहा कि अन्य साथियों को संगठन के प्रति उत्साहित किया जा सके।

सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी	श्री अशोक जी ईनानी, इन्दौर
सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय समिति संयोजक	श्री दिनेशजी सोमानी, अहमदाबाद

सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय कार्यक्रम संयोजक	श्री सुभाष जी सिंगी, जयपुर
सर्वश्रेष्ठ प्रदेश	कर्नाटक प्रान्तीय माहेश्वरी युवा संगठन
सर्वश्रेष्ठ प्रदेश अध्यक्ष	श्री शरदजी गट्टानी, अहमदाबाद
सर्वश्रेष्ठ प्रदेश सचिव	श्री नन्दकिशोरजी मालानी, पुणे
सर्वश्रेष्ठ कार्यसमिति सदस्य	श्री राजेन्द्रजी मानधन्या, मालेगांव
सर्वश्रेष्ठ कार्यकारी मंडल सदस्य	श्री संजय जी भट्टर, उरई
सर्वश्रेष्ठ स्थानीय युवा संगठन	श्री माहेश्वरी युवा मंच, हावड़ा

पत्राचार- संगठन सक्रिय रहे गतिमान रहे ऐसा सभी साथियों को संगठन की कार्यवाही एवं जानकारी प्राप्त होने पर संभव है, इस ओर संगठन के पदाधिकारी लगातार प्रयासरत रहे हैं, जिन्होनें कार्यसमिति सदस्यों, कार्यकारी मंडल सदस्य एवं प्रदेश अध्यक्ष/मंत्री तथा स्थानीय, जिला संगठन के साथियों को पत्र-पत्राचार के माध्यम से संगठन से जोड़े रखा, जिसके परिणाम स्वरूप सम्पूर्ण देश में सक्रियता दिखने लगी। साथ ही सभी से समय-समय पर पत्राचार जारी रखने हेतु आग्रह करते रहे। इस कड़ी में राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यालय से ३८, ३४६ पत्र व ६३२ परिपत्र प्रेषित किये गये। साथ ही प्रत्येक माह नियमित रूप से सभी कार्यसमिति सदस्यों, प्रदेश अध्यक्ष/मंत्री व राष्ट्रीय पदाधिकारी को सामूहिक पत्र प्रेषित किए जाते रहे तथा राष्ट्रीय महामंत्री कार्यालय से २४,१२८ पत्र व ४८० परिपत्र प्रेषित किये गये हैं।

भ्रमण- राष्ट्रीय संगठन को पूर्णता प्रदान करने एवं स्थान-स्थान पर युवाओं को सामाजिक मुख्यधारा में लाने एवं संगठन से जोड़ने के उद्देश्य से भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये गये। भ्रमण कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री एवं सभी पदाधिकारियों द्वारा पूरे सत्र में निरन्तर भ्रमण किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशजी तापड़िया द्वारा माह में १५ दिन समाज को देने के उद्देश्य से पूरे सत्र में माह १५ दिन भ्रमण पर रहे बाकी समय में पत्राचार व सतत सम्पर्क अपने साथी पदाधिकारियों एवं प्रदेश अध्यक्ष/मंत्री से किया, जिसके परिणाम स्वरूप लगातार सक्रियता बनी रही एवं प्रदेश व अचंल के पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने प्रदेश व अंचलों में निरन्तर भ्रमण कर उन स्थानों पर स्थानीय व जिला एवं तहसील स्तर के संगठन बनाये जहाँ संगठन थे ही नहीं या निर्जीव अवस्था में थे। यही कारण रहा कि आज राष्ट्रीय संगठन भारतवर्ष के कोने-कोने से जुड़ गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने जहाँ १८ प्रदेशों के ३६८ स्थानों का भ्रमण किया वही महामंत्री द्वारा सहस्त्राब्दि के उपलक्ष्य में हैदराबाद से वैष्णोदेवी एवं हैदराबाद से द्वारकाधाम-सोमनाथ की स्कूटर यात्रा की जिसका उद्देश्य समाज के जन-जन से मिलकर सामाजिक एवं आध्यामिक चेतना जागश्त करना रहा।

संगठन की क्षति- सप्तम सत्र में जहाँ आयोजनों का सिलसिला अनवरत चलता रहा, वही नये युवा साथी भी संगठन से कई स्थानों पर जुड़े लेकिन हमसे हमारे दो अजीज जिन्दादिल साथी भी बिछुड़ गये। उनका असमय चले जाना उनके परिवार को ही नहीं संगठन एवं पदाधिकारियों को भी अन्दर तक हिला गया।

असमय व अनसोचे मिले इस दुख को हम भुलाये नहीं भुला सकते।

स्व. श्री रामगोपाल भट्टड संगठन मंत्री एवं स्व. श्री बजरंगलाल राठी कार्यकारी मंडल सदस्य को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संगठन आगामी सत्र में इनकी स्मशति को चिरस्थाई बनाये रखने हेतु कोई प्रकल्प हाथ में लेगा।

अष्टम सत्र- आखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन का अष्टम सत्र जुलाई २००२ से उदयपुर में सम्पन्न अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महाधिवेशन के अवसर पर नवनिर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारियों के पदभार ग्रहण करने के साथ ही प्रारंभ हुआ। उदयपुर में सम्पन्न महाधिवेशन के अवसर पर अष्टम् सत्र के पदाधिकारियों का चयन किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अनीलजी मानधनी की अनुसंशा के आधार पर श्री राष्ट्रीय महामंत्री श्री अशोक जी ईनानी-इन्दौर एवं उपाध्यक्ष श्री बसन्तजी मोहता-हावड़ा, श्री शरदजी गट्टानी-अहमदाबाद, श्री राजीवजी चांडक-सहारनपुर, श्री रमेशजी बंग-हैदराबाद, अर्थमंत्री श्री नन्दकिशोरजी मालानी-पुणे, संगठन मंत्री श्री बश्जमोहनजी बाहेती-इन्दौर, क्रीड़ामंत्री श्री डॉ. रवि जी राठी-रायपुर, संयुक्त मंत्री श्री रमेश चाण्डक-गोवाहाटी, श्री अर्जुनजी मूंदड़ा-चित्तौड़गढ़, श्री संजीवजी चांडक-वाराणसी, श्री शशीकान्तजी जाजू-अकोला, चयनित किये गये। जुलाई २००२ उदयपुर में महासभा के अधिवेशन से युवा संगठन के अष्टम सत्र का सफर प्रारंभ हुआ। ''संगठन का आधार-सहज आधार-सुनियोजित सुधार'' के प्रेरणा स्त्रोत के साथ युवाओं के समग्र विकास एवं संगठनात्मक दश्ढ़ता हेतु विभिन्न कार्य योजनाएँ निर्धारित की गई।

राष्ट्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता-प्रथम राष्ट्रीय आयोजन के रूप में क्रीड़ा प्रतियोगिता के अन्तर्गत बैडमिन्टन, शतरंज, टेबल-टेनिस एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन वाराणसी में २७, २८ एवं २९ दिसम्बर २००२ को माहेश्वरी क्लब, वाराणसी के आतिथ्य में किया गया।

प्रथम चरण में इस प्रतियोगिता को विभिन्न प्रदेशों में स्थानीय स्तर पर तथा प्रदेश स्तर पर आयोजित किया गया। प्रदेश के विजेता खिलाड़ियों को वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभागी होने का अवसर प्राप्त हुआ।

१६ प्रदेशों से १०३ युवक तथा ३१ युवतियों ने माहेश्वरी क्लब वाराणसी के आतिथ्य में आयोजित प्रतियोगिता की एरां क्रीड़ा क्षेत्र में प्रथम बार युवा संगठन द्वारा एवं युवतियों के लिये स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अलग-अलग प्रतियोगिओं का आयोजन किया गया। इस आयोजन के अवसर पर सभी प्रतिभागियों द्वारा आवास स्थल से उद्‌घाटन स्थल तक निकाली गयी शोभायात्रा अविस्मरणीय रही। भीषण ठण्ड होने के उपरान्त भी माहेश्वरी क्लब के साथियों एवं माहेश्वरी परिषद्, वाराणसी के अग्रजों द्वारा प्रतियोगियों, अभिभावकों, सदस्यों एवं अतिथियों की आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा गया।

राष्ट्रीय ज्ञान-गंगा प्रतियोगिता-स्वर्गीय श्री रामगोपालजी भट्टड़ की पुण्य स्मशति में- समाज के विद्यार्थी वर्ग के लिए इस प्रतियोगिता के आयोजन की कल्पना की गयी। तीन वर्गों (अ) कक्षा ५ से ८, (ब) कक्षा ९ से १२ (स) १२ से ऊपर के इस प्रतिस्पर्धा के प्रथम चरण में स्थानीय एवं प्रदेश स्तर पर १६ प्रदेशों में समाज के लगभग १६,८९२ विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

११ एवं १२ सितम्बर २००४ को हैदराबाद में आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में इस प्रतियोगिता का राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन किया गया, जिसमें १७ प्रदेशों के प्रत्येक वर्ग में प्रदेश एवं द्वितीय स्थान प्राप्त लगभग ७५ विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय निबंध एवं पटकथा लेखन प्रतियोगिता-विषय ''भ्रूण हत्या-राष्ट्र की ज्वलंत समस्या'' युवा संगठन द्वारा जनजागरण अभियान से जुड़े उपरोक्त विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर निबंध एवं पटकथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पूरे भारतवर्ष से उपरोक्त विषय पर ९२ निबन्ध एवं १६ पटकथाएँ प्राप्त हुई। जिनका साहित्य के अनुभवी शिक्षकों से निरीक्षण कराकर दोनों विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तशतीय परिणाम घोषित किया गया।

राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कशतिक प्रतियोगिता आपणों-उत्सव संगठन द्वारा समाज के युवा वर्ग में छिपी प्रतिभा को देशभर के प्रादेशिक संगठनों के माध्यम से प्रोत्साहन की भट्टी में तपाकर और प्रेरणा का सुहागा लगाकर राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कशतिक प्रतियोगिता आपणो हेतु उभारा गया।

१८ प्रादेशिक संगठनों के माध्यम से आयोजित प्रादेशिक प्रतियोगिताओं में प्राप्त आंकड़ो के हिसाब से लगभग ८५० युवा प्रतिभागियों ने अपने कला प्रदर्शन किया।

संगठन का पंचम साहित्यिक एवं सांस्कशतिक महोत्सव सांस्कशतिक राजधानी कोलकाता महानगरी में वशहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में वर्ष २००४ के समापन ३१ दिसम्बर व नववर्ष के आगाज १ एवं २ जनवरी २००५ को आयोजित किया गया। राष्ट्रीय साहित्यिक सांस्कशतिक प्रतियोगिता आपणो उत्सव का उद्‌घाटन देश के जाने माने सुप्रसिद्ध बिड़ला घराने की प्रमुख, समाजसेवा में अग्रवी, विदुषी श्रीमती राजश्री बिड़ला के शुभ हाथों से सम्पन्न हुआ।

इस त्रिदिवसीय आयोजन में सामान्य एवं शास्त्रीय नशत्य, भाषण, एकल गायन एवं वाद्य यन्त्र की विधाओं में देश के २० राज्यों के १०६ प्रतियोगियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन एशिया के सर्वश्रेष्ठ सभागारों में से एक साइंस सिटी में किया गया। प्रतियोगिता के प्रदर्शन का मूल्यांकन कर निर्णय लेने बाबत संबंधित विधाओं के सर्वश्रेष्ठ श्रोता निर्णायकगण के रूप में उपस्थित थे। एकल गायन प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में उपस्थित सुप्रसिद्ध गायक श्री मन्ना डे की उपस्थिति प्रतियोगियों एवं दर्शकों के लिये अत्यंत उत्साहवर्धक रही।

आतिथ्य संगठन के साथियों द्वारा पूर्ण समर्पित भाव से आवास स्थल बिन्नानी भवन तथा कार्यक्रम स्थल साइंस सिटी जो कि आवास स्थल से लगभग १५ कि.मी. की दूरी पर था, दोनों ही जगह प्रतियोगियों अभिभावकों एवं सदस्यों के आवागमन तथा खान-पान की समुचित एवं समयबद्ध व्यवस्था के द्वारा सभी का हदय जीत लिया।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला अभियान-२००३ वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस युग में युवाओं के चहुंमुखी विकास हेतु यह नितान्त आवश्यक था कि वो स्वयं के अन्दर छिपी प्रतिभा को पहचानें तथा विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन अभियान २००३ कार्यक्रम के अन्तर्गत किया।

प्रथम चरण में प्रदेश स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। १४ प्रदेशों में कार्यशालाएं सम्पन्न हुई जिनमें निष्णात प्रशिक्षण द्वारा समप्रेषण कार्य योजना के निर्धारण बैठकें (प्राथमिकताएँ एवं प्रणाली), वकश्त्व कला, समय प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षण कार्यशालाओं में प्रशिक्षकों द्वारा प्रदर्शन के आधार पर प्रतिभागियों का राष्ट्रीय कार्यशाला हेतु चयन किया गया। अहमदाबाद में राष्ट्रीय माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में १३,१४ सितम्बर २००३ को अहमदाबाद में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। १८ प्रदेशों के ७५ चयनित एवं पदेन प्रतिभागियों ने एशिया के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थान हेतु पुरस्कशत अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन में जेसीस व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के निष्णात प्रशिक्षकों के संगठनात्मक दायित्व एवं अधिकार स्वयं का आत्मावलोकन, नेतशत्व क्षमता, लक्ष्य निर्धारण, प्रबन्धन, बॉडी लैंग्वेज इत्यादि

सम-सामाजिक विषयों पर प्रशिक्षण विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

प्रशिक्षण के क्षेत्र में समाज के युवा वर्ग को प्रोत्साहन की दशष्टि से प्रशिक्षण प्रदान करने व प्रशिक्षक तैयार करने वाली एकमात्र अंतराष्ट्रीय संस्था जेसीस के भारतीय अध्याय-भारतीय जेसीज के विभिन्न मंडलों में युवा संगठन हेतु एक सीटें आरक्षित करवाई गई।

उपरोक्त हेतु श्री महेश राठी, नागपुर का विशेष योगदान मिला तथा श्री राजेश जी चांडक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जेसीज वर्ष २००४ का भी समुचित सहयोग प्राप्त हुआ। उपरोक्त के अन्तर्गत मुम्बई, महाराष्ट्र, विदर्भ, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के कई युवा साथी लाभान्वित हुए।

जनजागरण-ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर समाज में जागशति हेतु युवा संगठन जनजागरण अभियान के अन्तर्गत कार्य करता रहा है। इस सत्र में अत्यंत संवेदनशील एवं ज्वलंत सामाजिक समस्या कन्या भ्रूण हत्या के विरोध में जागशति बाबत पूरे भारतवर्ष में परिपत्रों एवं विभिन्न स्लोगन्स के स्टीकर्स के माध्यम से अभियान चलाया गया। विषय से संबंधित तकरीबन २७ पोस्टर्स भी तैयार किये गया। जिनका युवा संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों तथा अन्य सामाजिक आयोजनों में प्रदर्शन किया गया, जिसको समाज के सभी वर्गों से अत्यंत सराहना प्राप्त हुई।

भ्रूण हत्या-राष्ट्र की ज्वलंत समस्या पर आयोजित पटकथा लेखन प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता की पटकथाओं में समन्वय करते हुए माहेश्वरी प्रगति मंडल, मुम्बई के वार्षिक समारोह के अवसर पर आयोजित नवरस कार्यक्रम के अन्तर्गत करूण रस में नाटक का मंचन किया गया। विभिन्न स्लोगन्स, पोस्टर्स तथा मुम्बई में मंचित नाटक की सी.डी सभी प्रदेशों को प्रेषित की गई तथा महेश नवमी पर कई जगह आयोजनों में इनका प्रदर्शन किया गया। विषयक स्लोगन्स का सदस्यों द्वारा एस. एम.एस द्वारा प्रचार किया गया। तथा संगठन के मुख्य पत्र युवा माहेश्वरी संदेश के प्रत्येक अंक में उन स्लोगन्स को छापने का निर्णय संगठन की कार्यसमिति की मुम्बई बैठक मार्च २००५ में लिया गया।

कैरियर गाइडेंस-इस योजना के अंतर्गत प्राथमिक स्तर पर समाज के समस्त चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स से सहमति प्राप्त करने हेतु कैरियर गाइडेंस योजना के राष्ट्रीय संयोजक श्री भंवरलालजी राठी-कोलकाता ने पूरे देश के करीब १७७१ माहेश्वरी चार्टेड एकाउटेन्ट्स २००१ की निर्देशिका के आधार पर से पत्र द्वारा सर्म्पक का प्रयास किया तथा करीब ३५० बन्धुओं की इस योजना से सहयोग देने बाबत स्वीकृति प्राप्त हुई।

बधाई सन्देश-युवा संगठन द्वारा सत्र में महासभा, महिला संगठन तथा युवा संगठन के सभी पदाधिकारियों तथा राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्यों को संगठन की तरफ से जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करने का कार्य प्रारंभ किया गया। संगठन के इस प्रयास की कई सदस्यों से सराहना प्राप्त हुई। महासभा कार्यालय का इस योजना में पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

संगठनात्मक गतिविधियाँ- कार्यकारी मंडल बैठक- संगठन के इस सत्र में चार कार्यकारी मंडल बैठक क्रमशः वाराणसी, जोरहाट, हैदराबाद एवं इन्दौर में सम्पन्न हुई।

कार्यसमिति की बैठक-संगठन के इस सत्र में आठ कार्यसमिति की बैठकें क्रमशः उदयपुर, अमरावती, जालना, जोराहट, दुर्ग, हैदराबाद, मुम्बई एवं इन्दौर में सम्पन्न हुई।

पदाधिकारी बैठक-संगठन के इस सत्र में सात पदाधिकारियों की बैठकें क्रमशः वाराणसी, अहमदाबाद, जोराहट, दुर्ग, हैदराबाद, मुम्बई एवं इन्दौर में हुई।

पत्राचार-संगठन सक्रिय एवं गतिमान रहे, ऐसा सभी साथियों को संगठन की कार्ययोजनाओं तथा कार्यवाही की जानकारी प्राप्त होने पर ही संभव है। संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी इस हेतु सतत् प्रयासरत रहे तथा अपने अंचलों में कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल सदस्यों सहित प्रदेश अध्यक्ष एवं सचिव को पत्राचार के माध्यम से संगठन को जोड़े रखा। इस सत्र में अध्यक्षीय एवं महामंत्री कार्यालय से लगभग १७००० पत्र एवं परिपत्र प्रेषित किये गये।

भ्रमण-राष्ट्रीय संगठन की संगठनात्मक दश्ढ़ता हेतु एवं संगठन कार्य योजनाओं से स्थानीय युवा साथियों को जोड़ने के उद्देश्य से पूरे राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा व्यापक भ्रमण किये गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिलजी मानधनी द्वारा १५ प्रदेशों का अधिकारिक भ्रमण तथा ६ प्रदेशों के कुछ स्थानों सहित तकरीबन १३० स्थानों का भ्रमण किया गया। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आंचलिक पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष/सचिव सहित राष्ट्रीय कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल के सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री के साथ रहें।

संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अशोक जी ईनानी द्वारा कलकत्ता, विदर्भ, महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, गुजरात, मुम्बई, दिल्ली, आन्ध्रप्रदेश का अधिकारिक भ्रमण एवं आसाम, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, मध्य उत्तर प्रदेश, तमिलनाडू, पश्चिम मध्यप्रदेश एवं पश्चिम बंगाल के कुछ स्थानों का भ्रमण किया गया। इस दौरान प्रदेश संगठन के अध्यक्ष, सचिव एवं पदाधिकारी, राष्ट्रीय पदाधिकारी, कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल के सदस्य साथ में रहे।

प्रादेशिक संगठनों का पुनर्गठन-राष्ट्रीय संगठन के अन्तर्गत विभिन्न २२ प्रदेशों में ३ प्रदेशों पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, बिहार तथा उड़ीसा में से पश्चिम बंगाल झारखण्ड बिहार प्रादेशिक संगठन निष्प्राण हो चुका था। दोनों प्रदेशों में संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए सत्र के प्रारंभ से ही प्रयास किये गये। उपाध्यक्ष श्री बसंतजी मोहता, कोलकता तथा संयुक्त मंत्री श्री रमेश जी चांडक, गोवाहाटी के निरंतर प्रयासों तथा पत्राचार के उपरान्त १८ अप्रैल २००४ को सिलीगुड़ी में उपस्थित उपरोक्त तीनों पदाधिकारियों की उपस्थिति में पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन का पुनः गठन विधिवत् सम्पन्न हुआ। झारखण्ड बिहार प्रादेशिक युवा संगठन के पुनः गठन बाबत राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा निरन्तर प्रयास किये गये। निरन्तर प्रयासों, भ्रमण, पत्राचार तथा बैठकों के पश्चात् १८ दिसम्बर २००५ के झारखण्ड/बिहार प्रदेश सभा के वर्तमान सत्र की आखिरी बैठक एवं नये सत्र हेतु पदाधिकारियों के चुनाव के साथ-साथ झारखण्ड बिहार प्रादेशिक युवा संगठन का विधिवत पुर्नगठन किया गया। उपरोक्त हेतु झारखण्ड/बिहार प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष श्री विनोदजी खटोड़ का प्रत्येक कदम पर सहयोग प्राप्त हुआ। उड़ीसा प्रदेश में राष्ट्रीय संगठन के स्थापना काल से ही विभिन्न कारणों से प्रादेशिक संगठन सम्भव नहीं हो सका। इस सत्र में भी इसके गठन हेतु प्रयास किये गये परन्तु सफलता नहीं हो सकी।

नवम सत्र का सफरनामा-अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के नवम् सत्र का आगाज ८ जनवरी २००६ को औरंगाबाद में सम्पन्न अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अधिवेशन अवसर पर नवम सत्र के पदाधिकारियों की उद्घोषणा संगठन के सर्वसहमति से चयनित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक ईनानी की अनुशंसा पर महासभा के सभापति जी द्वारा किये जाने के पश्चात् हुआ।

इस अवसर पर श्री अशोक ईनानी ने श्री संजीव चांडक-वाराणसी को महामंत्री एवं उपाध्यक्ष श्री सुशील कालानी-जोरहाट (आसाम), श्री पंकज गांधी-आगरा, श्री अजय राठी-जगदलपुर, संयुक्त मंत्री श्री सत्यनारायण बाहेती-कोलकाता, श्री सतीश करनानी-कानपुर, श्री मधुसूदन भलिका-इन्दौर, क्रीड़ा मंत्री श्री मनोज सोमानी-अहमदाबाद को मनोनीत करवाया।

संगठन द्वारा कार्यो की श्रृंखला को गति प्रदान की सूत्र वाक्य ''मधुर वाणी-उच्च विचार-समर्थ संगठन'' के साथ और मार्गदर्शन रहा संगठन के वरिष्ठजनों तथा पदाधिकारियों की टीम भावना और चल पड़ा कारवाँ अपनी गति से एवं प्रथम कार्यकारी मंडल की बैठक नीमच (मध्यप्रदेश) आयोजित बैठक में नवम सत्र हेतु युवाओं के समग्र विकास एवं संगठनात्मक दश्ढ़ता हेतु विभिन्न कार्ययोजनाओं का निर्धारण किया गया। यहीं पर अ.भा. माहेश्वरी संगठन के संगठन मंत्री श्री राजेन्द्र काबरा-दिल्ली, अर्थमंत्री श्री मनमोहन मूंदड़ा-सूरत, उपाध्यक्ष (दक्षिणांचल) श्री शशिकांत जाजू-अकोला, संयुक्त मंत्री (दक्षिणांचल) श्री प्रमोद कासट-ठाणे एवं युवा माहेश्वरी संदेश के संपादक श्री विपिन तोतला-इन्दौर के नामों की घोषणा की गई।

कैरियर काउंसलिंग- माहेश्वरी समाज उद्योग/व्यापार प्रधान समाज होने के परिणामस्वरूप हमारे समाज में उच्च शिक्षित व नौकरी पेशा व्यक्तियों की संख्या का प्रतिशत काफी कम है। हालांकि इन वर्षो में व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा के चलते शिक्षा के प्रति जागरूकता का संचार हुआ है तथा कई उच्च शिक्षित युवा अब दश्ष्य होने लगे हैं।

व्यापार से संबंधित होने के कारण अधिकाधिक अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में उचित मार्गदर्शन व समय नहीं दे पाते, ऐसे में अकसर देखने में आता है कि हमारे बच्चे शिक्षा क्षेत्र के चयन में भ्रमित होकर ना चाह कर भी अलग राह पकड़ लेते हैं। उपरोक्त संदर्भ में संगठन द्वारा सत्र के प्रारंभ से ही प्रादेशिक व जिला संगठनों के माध्यम से कई स्थानों पर देश के श्रेष्ठ काउंसलरों द्वारा युवाओं को काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया, यह अनवरत चलने वाली महत्वकांक्षी योजना है जो सतत् चलाई जायेगी। ब्रेन मैपिंग व विडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से एक स्थान से कई स्थानों पर एक साथ युवाओं को गाईडेंस दिलवाये जाने की योजना है। राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा रोजगार मेला भी आयोजित किया गया, जहाँ एक साथ लगभग ११०० युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय ज्ञान-गंगा प्रतियोगिता- संगठन द्वारा समाज की युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं उनके शैक्षणिक ज्ञान में अभिवश्द्धि के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता के आयोजन की परिकल्पना की गयी एवं संपूर्ण भारतवर्ष में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के उपसभापति स्वर्गीय श्री घासीरामजी तापड़िया की स्मृति में आयोजित इस प्रतियोगिता प्रथम व द्वितीय चरण में लगभग २२५०० प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश में आयोजित ज्ञान-गंगा प्रतियोगिता के तीनों वर्ग (सीनियर, सब-सीनियर एवं जूनियर) के विजयी १०६ प्रतियोगियों की फाईनल प्रतियोगिता २० सितंबर २००७ को ऑरेन्ज सिटी नागपुर जिला एवं विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में आयोजित की गई। जहाँ तीनों वर्ग के प्रथम, द्वितीय व तश्तीय विजयी प्रतियोगियों को ट्राफी, सम्मान पत्र एवं लगभग ५० हजार रूपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा ज्ञान-गंगा प्रतियोगिता के माध्यम से समाज सेवी स्व. श्री घासीरामजी तापड़िया को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राष्ट्रीय निबंध-लेखन प्रतियोगिता- संगठन द्वारा नवम सत्र में विभिन्न सामाजिक विषयों को लक्ष्य करके २ बार निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में निबंध प्राप्त हुए। प्रथम प्रतियोगिता जहाँ हिन्दी भाषा पर आयोजित की गई वहीं द्वितीय प्रतियोगिता मारवाड़ी भाषा पर आधारित की गई जिनका साहित्य के अनुभवी जानकारों से

निरीक्षण करवाकर प्रथम, द्वितीय एवं तशतीय चयनित निबंधो के प्रतियोगियों की घोषणा करके संगठन के राष्ट्रीय आयोजनों के अवसर पर उन्हें सम्मानित करके ट्राफी व सम्मान पत्र प्रदान किया गया। साथ ही चयनित १० निबंधो को श्रश्ंखलाबद्ध संगठन के मुखपत्र युवा माहेश्वरी संदेश में प्रकाशित किया गया।

बैनर प्रतियोगिता-नवम सत्र की प्रथम बैठक में लिये निर्णयानुसार संगठन के आयोजनों एवं बैठकों के अवसर पर ज्वलंत सामाजिक विषयों पर बैनर प्रतियोगिता आयोजित होती रही जिसमें प्रादेशिक संगठनों सुंदर चित्रण के साथ स्लोगनों के प्रतियोगिता में प्रदर्शित किये जाते रहे हैं। प्रतियोगिता में प्रदर्शित बैनरों में से प्रथम, द्वितीय एवं तशतीय चयनित प्रदेशों को सम्मान सवरूप ट्राफी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण कार्यशाला-संगठन द्वारा विजन २०१० को लक्ष्य करते हुए जेसीज के श्रेष्ठ प्रशिक्षकों की पैनल द्वारा कार्यशाला का चरणबद्ध प्रारूप तैयार करवाया गया जिसे प्रादेशिक संगठनों को प्रेषित करके स्थान-स्थान पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने हेतु प्रेरित किया गया।

भवन व मंदिर निर्माण

सामाजिक उत्पत्ति स्थल लोहारगल धाम-माहेश्वरी समाज उत्पत्ति स्थल लोहारगल धाम पर भव्य मंदिर व भवन निर्माण की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक जी ईनानी द्वारा संगठन की दार्जिलिंग बैठक के अवसर पर की गई एवं कार्यसमिति बैठक में इस बाबत् प्रारूप तैयार करने एवं वस्तुस्थिति जानने हेतु लोहारगल जाने हेतु समिति का गठन किया गया। समिति सदस्यों एवं समाज के वरिष्ठों ने लोहारगल जाकर वहाँ की वस्तुस्थिति को जाना और भवन व मंदिर निर्माण संबंधित रिपोर्ट संगठन को सौंपी गई।

समिति द्वारा प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक जी ईनानी व साथीगण पुनः लोहारगल धाम पहुंचे जहाँ कुछ जमीनों को चिन्हित किया गया एवं रूपरेखा तैयार करके अहमदाबाद में सम्पन्न कार्यकारी मंडल व कार्यसमिति बैठक में प्रस्तुत की गई, जहाँ विस्तशत चर्चा करके भवन निर्माण संबंधी समस्त प्रक्रिया को पूर्ण करने व ट्रस्ट के निर्माण करने का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोकजी ईनानी को दिया गया।

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति स्थल लोहारगल धाम के धार्मिक एवं पौराणिक महत्व की जानकारी समाज बन्धुओं तक पहुंचाने एवं अधिकाधिक समाजबंधु उत्पत्ति स्थल पर पहुंचे, इस हेतु प्रचार-प्रसार तथा समाज बंधुओं के ठहरने हेतु समुचित व्यवस्था युक्त सुंदर भवन एवं भव्य मंदिर निर्माण हेतु ६२००० स्क्वायर फीट जमीन क्रय की गई। २६ अगस्त २००८ को भव्य एवं गरिमामयी आयोजन के साथ क्रय की गई भूमि पर प्रस्तावित भवन व मंदिर निर्माण हेतु अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति श्री बंशीलालजी राठी-चेन्नई, श्री चुन्नीलाल जी सोमानी-कोलकाता, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति श्री आर.डी. बाहेती जी-जयपुर एवं युवा उद्योगपति श्री राजकुमारजी मानधनी-चेन्नई के आतिथ्य में भूमि पूजन श्री राजकुमारजी मानधनी द्वारा सपत्नीक किया गया। इस अवसर पर अ.भा. माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित लगभग ५०० समाज बंधु उपस्थिति थे। लोहारगल धाम पर निर्मित भवन में आधुनिक सुख-सुविधाओं से सुाज्जित २४ कमरें, दो बड़े हॉल, मंदिर में माहेश्वरी समाज के वंशोत्पति चित्र अनुसार मार्बल प्रतिमा का निर्माण एवं मंदिर परिसर में ही माहेश्वरी समाज की ७२ खापों की कुल माताओं के स्वरूपों की स्थापना किया जाना है। लोहारगल धाम पर निर्मित इस प्रकल्प हेतु देश भर में निवासरत माहेश्वरी बंधुओं से सहयोग राशि प्रदान करने की भावना रही है जिससे समाज का प्रत्येक परिवार भावनात्मक रूप से जुड़ सके। इस हेतु १००-१०० रूपये की सहयोग राशि के कूपन जारी किये गये, लेकिन किन्हीं कारणों से आशातीत सफलता नहीं मिल सकी है, लेकिन शीघ्र ही पुनः संग्रह अभियान चलाया जायेगा।

राष्ट्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता-संगठन द्वारा सत्र का प्रथम वशहद आयोजन ''राष्ट्रीय महोत्सव'' २१ से २४ दिसंबर २००६ तक अहमदाबाद (गुजरात) में सम्पन्न हआ। इस दौरान सम्पन्न क्रिकेट, टेबल-टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में देशभर के चयनित २६० प्रतियोगियों सहित ५०० सदस्यों की उपस्थिति से आयोजित चिरस्मरणीय बन गया। राष्ट्रीय खेल महोत्सव का आतिथ्य अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा किया गया एवं महोत्सव को सफल बनाने में संगठन के ११२ सदस्य दिन-रात एक करते हुए मन से जुटे रहे एवं उद्घाटन से समापन तक महोत्सव को रंगा-रंग एवं यादगार बना दिया। महोत्सव में पधारे प्रतिनिधियों एवं प्रतियोगियों के आवास हेतु ४ स्थानों पर सुंदर व्यवस्था, क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु ५ मैदान, बैडमिंटन व टेबल-टेनिस हेतु इंडोर स्टेडियम एवं कार्यसमिति व कार्यकारी मंडल बैठक हेतु अन्यत्र होटल में व्यवस्था। इस प्रकार ११ स्थानों पर सतत् व्यवस्था संभालकर अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन के सदस्यों ने सभी का दिल जीत लिया। महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर महासभा महामंत्री श्री कस्तुरचंदजी बाहेती व महिला संगठन महामंत्री श्रीमती शोभा जी सादानी एवं युवा संगठन चतुर्थ सत्र से अष्टम सत्र के अध्यक्ष क्रमश श्री श्याम जी सोनी, श्री रमेश जी मर्दा, श्री रमेश जी तापड़िया व श्री अनिल जी मानधानी अतिथि रहे। समापन व पुरस्कार समारोह में महासभा सभापति श्री रामपालजी सोनी, पूर्व उपसभापति श्री नाथमल जी डालिया एवं इनलैंड ग्रुप के श्री लक्ष्मीनारायणजी सोमानी आतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र की विशेष बात रही

कि अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के चतुर्थ सत्र से नवम सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंचासीन रहे। संयोगवश बैठक व्यवस्था भी सत्रानुसार रही।

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित यह पंचम राष्ट्रीय खेल महोत्सव था, इस दौरान बैडमिंटन सिंगल, महिला सिंगल व युगल तथा टेबल-टेनिस सिंगल, महिला सिंगल व युगल एवं क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें १७ प्रदेशों का प्रतिनिधित्व रहा और एक खास विशेषता रही की प्रथम बार १४ टीमों ने अपनी उपस्थिति क्रिकेट के मैदान में दर्ज करवाई। क्रिकेट के घमासान में रोचक मुकाबले देखने को मिले, इस दौरान संगठन के पूर्व अध्यक्ष श्री श्यामजी सोनी व श्री रमेश जी तापड़िया एवं पूर्व उपाध्यक्ष श्री शरदजी गट्टानी पूर्ण सक्रियता के साथ अलग-अलग स्थानों पर घुमते हुए व्यवस्थाओं को देखते हए सभी का उत्साहवर्धन करते रहे। महोत्सव के दौरान गोवाहाटी (आसाम) के श्री रमेश दम्मानी को मैदान में हृदयाघात का दौरा पड़ा। वहीं कोलकाता के श्री शिवरतनजी भट्टड़ को पैर में गंभीर चोटें आई, इन दुःखदायी क्षणों ने सभी को भाव-बिछल कर दिया।

आपणों उत्सव-२००८-यह सार्वजनिक सत्य है कि प्रतिभा से समाज और समाज से प्रतिभा की पहचान होती है, प्रतिभा भी सदैव समाज की खिड़की से होकर राष्ट्र के कक्ष में प्रवेश करती है। यही सोच अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन का रहा और और प्रत्येक सत्र में आपणो उत्सव रूपी सांस्कृतिक एवं वैचारिक क्रांति के फाईनल मुकाबले में समाज की प्रतिभा को तरासने का कार्य करता है।

नवम सत्र में आपणो उत्सव कर्नाटक-गोवा प्रान्तीय माहेश्वरी युवा संगठन एवं माहेश्वरी युवा संघ, बैंगलोर के संयुक्त आतिथ्य में ११ से १४ जनवरी २००८ को बैंगलोर में संपन्न हुआ। चार दिवसीय महोत्सव के दौरान एकल नश्त्य (सामान्य व शास्त्रीय) एकल गायन, भाषण, अंताक्षरी, समूह नश्त्य एवं प्रश्न मंच जैसी पश्थक-पश्थक स्पर्धाएँ आयोजित की गई। आपणो उत्सव में इस बार नयापन लाने के उद्देश्य से फाईनल मुकाबले विभिन्न चरणों में करवाये गये, वैसे प्रारंभिक प्रतियोगिताएँ पूर्व की भांति प्रादेशिक स्तर पर सम्पन्न हुई जहाँ के विजेता-उपविजेताओं को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाने का अवसर प्राप्त हुआ।

आपणो उत्सव की प्रथम प्रतियोगिता रही 'भाषण' जिसके विषय सामाजिक परिवेश में रखे गये जो इस प्रकार थे 'समाज-कल, आज और कल' तथा 'आज के बदलते परिवेश में युवाओं की भूमिका।' जहाँ समाज आज और कल पर युवा साथियों ने समाज को आईना दिखाने का प्रयास किया वही 'आज के बदलते परिवेश' पर साथियों ने समय के साथ चलने की सीख दे डाली। नश्त्य प्रतियोगिता कैसी भी हो चाहे वह सामान्य हो या शास्त्रीय या फिर हो समूह नश्त्य, उत्साह और उपस्थिति की कहीं कोई कमी नहीं रहती। फिर उन हालातों में जब प्रस्तुतीकरण करने वाले हमारे अपने पारिवारिक अंग हो। सभागार की हर बार वही स्थिति ...वहीं नजारा.....वही आलम....। प्रत्येक प्रतियोगी की प्रस्तुति के बाद जमकर सराहना की जा रही थी. ... और करते भी क्यों नहीं, कला और प्रस्तुतिकरण की कसौटी पर ६२ प्रतियोगी खरा उतरने का अदम्य प्रयास लय और ताल का संतुलन बनाकर कर रहा था। उनके मन में उमंग थी, कुछ कर दिखाने की वहीं वे उत्साहित भी थे। हाँ यही सब कुछ था आपणो उत्सव की सभी नृत्य प्रतियोगिताओं का।

आपणो उत्सव में २०० प्रतियोगी सहित लगभग ५०० सदस्यों व अभिभावकों ने भाग लिया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कारों से विजेताओं को सम्मान पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह महासभा के पूर्व उपसभापति श्री नथमलजी डालिया व महासभा कार्यसमिति सदस्य श्री नंदकिशोरजी लखोटिया के आतिथ्य एवं श्री अशोक जी ईनानी की अध्यक्षता में हुआ। वहीं समापन समारोह राज्यसभा सदस्य श्री अजयजी मारू-रांची, श्री सूर्यप्रकाश जी हेड़ा-हैदराबाद, श्री गिरीशजी मालपानी-हैदराबाद, श्री वल्लभजी सारडा-गुलबर्गा एवं एस.एस. मंत्री-बैंगलोर के आतिथ्य में हुआ। राष्ट्रीय संगठन द्वारा अपने पूर्व पदाधिकारियों को विभिन्न स्पर्धाओं के उद्घाटन सत्रों में प्रमुख अतिथि, विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जिसमें प्रमुख रहे श्री श्यामजी सोनी-नागपुर, श्री रमेशजी तापड़िया-काठमांडू, श्री अनिलजी मानधनी-गोरखपुर, श्री तरूणजी झंवर-हैदराबाद, श्री प्रेमजी बिसानी-मदुरई, श्री चन्द्रप्रकाश जी मालपानी-चेन्नई, श्री नंदकिशोर जी मालानी-पूणे, श्री बंसत जी मोहता-कोलकाता, डॉ रवि जी राठी-रायपुर, श्री रमेश जी बंग-हैदराबाद, श्री अजय जी मंत्री-मुंबई, श्री प्रदीप जी बाहेती-जयपुर, श्री जगदीश जी गिलड़ा-बैंगलोर, श्री श्याम जी मूंदड़ा-रायपुर, श्री विष्णुकांत जी भूतड़ा-रायपुर एवं श्री शरद जी गट्टानी-अहमदाबाद प्रमुख रहे।

संगठन स्थापना एवं निर्वाचन-राष्ट्रीय संगठन की स्थापना काल से ही उड़ीसा में प्रादेशिक संगठन का गठन या स्थापना नहीं हो सकी थी, जहाँ नवम सत्र के प्रारंभ में ही संगठन की स्थापना की गई एवं नवम सत्र के अंतिम चरण में नेपाल में भी २ सत्रों के अंतराल के पश्चात पुनर्गठन किया गया। राजस्थान, दिल्ली एवं पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी प्रादेशिक संगठनों के निर्वाचन करवाये गये। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के दशम् सत्र हेतु समस्त प्रादेशिक संगठनों के निर्वाचन संपन्न करवायें।

वेबसाईट-अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन ने स्वयं को संचार क्रान्ति से जोड़ने के उद्देश्य से अहमदाबाद में आयोजित खेल महोत्सव के अवसर पर महासभा के महामंत्री श्री कस्तूरचंदजी बाहेती एवं संगठन के पूर्व अध्यक्षों श्री श्यामजी सोनी, श्री रमेशजी मर्दा एवं श्री रमेशजी तापड़िया के हाथों संगठन के पोर्टल का शुभारंभ करवाया गया।

☞ अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन, अ.भा. माहेश्वरी महासभा एवं अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का संक्षिप्त इतिहास, उद्देश्य एवं गतिविधियों की जानकारी।

☞ अ.भा. माहेश्वरी महासभा, युवा संगठन व महिला संगठन द्वारा स्थापित व संचालित ट्रस्टों की जानकारी।

☞ माहेश्वरी समाज के इतिहास (वंशोत्पत्ति), उपलब्धियाँ, तीज-त्यौहारों एवं विशिष्ठ व्यक्तित्वों की जानकारी।

☞ अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के समस्त कार्यकारी मंडल, कार्यसमिति सदस्य, पदाधिकारियों एवं अध्यक्ष/सचिव की पते सहित सूची, महासभा एवं महिला संगठन के पदाधिकारियों व कार्यसमिति सदस्यों के नाम व पतों की जानकारी।

☞ वेब साईट पर बंधुओं के चाहने पर ई-मेल आई.डी. की सुविधा। देशभर में माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित व सम्बद्ध भवन, धर्मशाला, छात्रावास, विद्यालय, महाविद्यालय, चिकित्सालय एवं मंदिर इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी।

मेट्रीमोनियल-समाज के विवाह योग्य युवाओं के संबंध जुड़वाने में आ रही कठिनाईयों एवं अन्य मेट्री मोनियल पोर्टल पर मनमाने पंजीयन शुल्क के मद्देनजर मेट्री मोनियल पर पंजीयन निःशुल्क रखा गया है। विवाह योग्य युवाओं का बायोडॉटा इंटरनेट के माध्यम से पंजीकृत किया जा सकेगा एवं प्रत्याशी व अभिभावक अपने मनपंसद प्रत्याशी की खोज करने में समर्थ हो सकेगा। इसमें विवाह सहयोग केन्द्र जैसी संस्थाओं के द्वारा भी लिंक दिया जा सकेगा। इस सम्बन्ध में प्रयास जारी है। इसके पीछे मूल भावना यह है कि देश व विदेश में निवासरत युवाओं का एक सेंन्ट्रल डाटाबेस मिल सके।

रोजगार-समाज के युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से इस पोर्टल का निर्माण किया गया है जिसमें पंजीयन निःशुल्क रखा गया। जरूरतमंद युवा अपना बायोडॉटा डाटाबेस में पंजीकृत कर सकेंगे तथा कंपनी व औद्योगिक संस्थान इसके माध्यम से उपयुक्त युवाओं को अपने संस्थान हेतु सर्विस के लिये चयनित कर सकेंगे।

युवा माहेश्वरी संदेश-अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के मुखपत्र युवा माहेश्वरी संदेश का प्रकाशन इन्दौर से किया जा रहा है। समय के साथ चलते हुए युवा माहेश्वरी संदेश को आकर्षक साज-सज्जा के नियमित सदस्यों के अतिरिक्त महासभा व महिला संगठन के सदस्यों को भी पत्रिका भिजवाई जाने लगी। युवा माहेश्वरी संदेश को वेबसाईट पर भी उपलब्ध करवाया गया। प्रथम बार संदेश के नवीन सदस्यों में रिकार्ड अभिवृद्धि हुई। सिर्फ सत्र प्रारंभ में ही ५०० नवीन सदस्य बनाए गये। नवम सत्र में सर्वाधिक सदस्य बनाने वाले प्रदेशों व सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।

परिचय निर्देशिका-संगठन द्वारा नवम सत्र में तृतीय परिचय निर्देशिका का प्रकाशन किया गया। इसमें संगठन के इतिहास व सत्र अनुसार आयोजनों की संक्षिप्त जानकारी व रूपरेखा सहित नवम सत्र कार्यकारी मंडल सदस्यों के अंचल, अलग-अलग प्रदेशों के साथ व महासभा तथा महिला संगठन के पदाधिकारियों के सचित्र परिचय एवं समस्त प्रादेशिक संगठनों के पदाधिकारियों के नाम-पतों की सूची का प्रकाशन किया गया। परिचय निर्देशिका का सुन्दर प्रकाशन किया गया जो संग्रहणीय है।

महासभा द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन में संगठन द्वारा परिषर में ही माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति स्थल लोहारगल धाम की पूर्ण योजना और वहाँ पर बनने वाले भवन व मंदिर के मॉडल का प्रदर्शन भी किया। साथ ही संगठन के प्रथम सत्र से नवम सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्षजी के चित्र सहित उनके कार्यकाल में उल्लेखनीय कार्यों के पोस्टर्स लगाए। यहीं पर संगठन के प्रारंभ से वर्तमान तक की यात्रा को सुंदर रूप में ''सफरनामा'' के नाम से बड़ी साईज में मल्टीकलर ग्लेस पेपर पर प्रिंट करवाकर देशभर से पधारे माहेश्वरी बंधुओं को वितरित किया, जिसे सभी ने सराहा। अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन स्थल टाउन हॉल में उपस्थित देश-विदेश से पधारे समाज बंधुओं की उपस्थिति में संगठन की ओर से तैयार किया गया, मल्टीमीडिया प्रेजेन्टेशन दिखाया गया, जिसमें संगठन द्वारा अपनी प्रमुख उपलब्धियों एवं एन.आर.आई. बंधुओं से अपेक्षा और संगठन की ओर से संभावित सहयोग को सुंदरतम् रूप में प्रस्तुत किया गया।

कॉन्टन फेयर में सहभागिता-व्यवासायिक प्रतिस्पर्धा से अपने व्यवसाय को बचाने एवं नवीन व्यवसाय की स्थापना के मद्देनजर संगठन ने समाज के युवाओं को विश्व के अति प्राचीनतम् व सबसे बड़े ट्रेड फेयर जो चीन में कॉन्टन फेयर के नाम से आयोजित होता है, में सहभागन हेतु कार्यक्रम तैयार करवाया एवं जैसे ही इसकी सूचना युवाओं को प्राप्त हुई साथियों की जिज्ञासा सामने आने लगी तथा आतिसूक्ष्म प्रयासों में ही ६४ युवाओं ने हमारे इस प्रथम प्रयास में चीन जाने का कार्यक्रम बनाया तथा अतिलाभकारी औद्योगिक भ्रमण का लाभ उठाया। सहभागी युवाओं के अनुभव के आधार पर भविष्य में भी ऐसे अन्य आयोजन किये जाने की संभावना है।

पोस्टर्स प्रदर्शनी-संगठन द्वारा सामाजिक ज्वलंत समस्या कन्या-भ्रूण हत्या के विरोध एवं सामाजिक जनजागशति अभियान

के अन्तर्गत नवीन तकनीक से २५ पोस्टर्स तैयार किये गये है। जिनको स्थानीय, प्रदेश एवं राष्ट्रीय संगठन के कार्यक्रमों एवं बैठकों के अवसर पर प्रदर्शित किया जा रहा है। महेश नवमी २००६ के अवसर पर देश के कई स्थानों पर पोस्टर-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

बधाई संदेश-संगठन द्वारा अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन, महिला संगठन एवं महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्यों के जन्म-दिवस तथा विवाह की सालगिरह पर बधाई संदेश प्रेषित किये जा रहे है, जिसकी सुधीजनों द्वारा प्रशंसा की। जिसका सफलतापूर्वक कार्य निर्वाहन संयुक्त मंत्री (पश्चिमाचंल) मधुसूदन भलिका, इन्दौर (प्रभारी-बधाई संदेश समिति), द्वारा सुचारू रूप से किया गया।

कार्यकारी मंडल बैठक-नवम् सत्र में नीमच (पश्चिम म.प्र.) अहमदाबाद (गुजरात), वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में कार्यकारी मंडल की बैठक संपन्न हुई।

कार्यसमिति बैठक-नवम् सत्र में संगठन की कार्यसमिति बैठकें औरंगाबाद (महाराष्ट्र), नीमच (पश्चिम म.प्र.), दार्जिलिंग (प.बंगाल), अहमदाबाद (गुजरात), नोखा (राजस्थान), नागपुर (विदर्भ), वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में सम्पन्न हुई। इन्हीं अवसरों पर पृथक से पदाधिकारियों की बैठकें भी संपन्न हुई।

पदाधिकारी चयनित-अहमदाबाद में सम्पन्न क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह अवसर पर सांस्कृतिक मंत्री के रूप में श्री राजकुमारजी काल्या-गुलाबपुरा (राजस्थान) की घोषणा एवं अर्थमंत्री श्री मनमोहन मूंदड़ा-सूरत द्वारा प्रेषित त्याग पत्र और स्वीकृत पश्चात् रिक्त हुए स्थान पर नागपुर कार्यसमिति बैठक में सर्वसहमति से श्री नारायणजी तोषनीवाल-नागपुर चयनित हुए।